केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 311 शनिवार 6 जून 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने वाले यूपी सरकार के अध्यादेश को हाईकोर्ट में चुनौती

इलाहाबाद (आभा)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने के प्रदेश सरकार के गत 25 मई के अध्यादेश को चुनौती दी गई है। इस अध्यादेश से वर्तमान ग्राम प्रधानों को आगामी छह माह तक प्रशासक के रूप में नियुक्त करने का प्रावधान किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप ग्राम पंचायत चुनावों को स्थगित किया जा रहा है।

ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के विधि छात्रों युधिष्ठिर वर्मा व आयुष पांडेय की याचिका पर सुनवाई के दौरान जब यह तकनीकी आपत्ति सामने

आई कि याचिका में 2017 के अधिनियम संख्या 6 की धारा 12(3ए) की वैधता को सीधे तौर पर चुनौती नहीं दी गई है तो याचियों ने स्थिति को समझते हुए याचिका में संशोधन करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की मोहलत देते हुए याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 22 जून की तारीख लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह एवं न्यायमूर्ति सत्य वीर सिंह की खंड ने दिया है।

राज्य सरकार ने प्रधानों को प्रशासक बनाने का आदेश 2017 के अधिनियम संख्या 6 की धारा 12(3ए) के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी किया है, जिसे याचिका में असंवैधानिक बताया है। याची युधिष्ठिर वर्मा और आयुष पांडेय ने स्वयं में अपनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 243(प)(ई) का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए तर्क दिया कि राज्य सरकार द्वारा शक्तियों का यह प्रयोग पूरी तरह असंवैधानिक है। पांच वर्षीय विधि पाठयक्रम में तीसरे वर्ष के याची छात्रों ने कहा कि यह अध्यादेश संविधान के अनुच्छेद 243ई की मूल भावना एवं संवैधानिक व्यवस्था के प्रतिकूल है क्योंकि संविधान पंचायती संस्थाओं में समयबद्ध एवं नियमित चुनाव सुनिश्चित करता है।

रंग लायी भीम युवा वाहिनी की पहलः अम्बेडकर पार्क के लिये हुआ जमीन का चिन्हांकन

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। शुक्रवार को मण्डलायुक्त के निर्देश पर लालगंज थाना क्षेत्र के थरौली गांव में अवैध कब्जे को हटाते हुये अम्बेडकर पार्क हेतु जमीन को सुरक्षित करने के साथ ही चिन्हांकन और पत्थर के निशान लगाये गये। भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार गौतम की पहल रंग लायी।

थरौली गांव के निवासियों में प्रसन्नता की लहर है। भीम युवा वाहिनी के सोनू राव और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदीप कुमार ने कहा कि अम्बेडकर पार्क हेतु जमीन के लिये लम्बा संघर्ष करना पड़ा। कहा कि जो जमीन चिन्हित की गई है उसे

खतौनी में दर्ज कराने के लिये प्रयास तेज किया जायेगा। उन्होने मण्डलायुक्त के प्रति आभार व्यक्त किया।

कानूनगो ओम प्रकाश, लेखपाल मनोज कुमार और राजस्व टीम ने चिन्हांकन सम्पन्न कराया। इस मौके पर रामरूप, विशाल, संदीप, सन्तवली, दिलीप, मंजीत, राधेश्याम, अजय कुमार, राम अशीष, राम सागर, जितेन्द्र, प्रहलाद, फूलचन्द, प्रेमनाथ, पवन कुमार, राजेश, धर्मराज, महेन्द्र, रोहित, वीरेन्द्र, विजय कुमार, चन्दू, पल्टूराम, राहुल, वलीराम, मनीराम, भगवानदास, राजमती, चन्दादेवी, सरस्वती, शान्ती देवी, सूरसती, रीता, रूचि, संगीता के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

पर्यावरण रक्षा के लिये पौधरोपण जरूरी-सोनमती देवी

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पंचायत गणेशपुर में अध्यक्ष श्रीमती सोनमती देवी की अध्यक्षता व अधिशासी अधिकारी के उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया।

पौधरोपण करने के बाद अध्यक्ष सोनमती देवी ने कहा कि पर्यावरण को स्वच्छ रखने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र सुनिश्चित करने में पेड पौधे सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। कहा कि स्वास्थ्य लाभ प्रकृति और हरियाली के बीच रहने से मानसिक तनाव कम होता है और लोगों के शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। अनेक औषधीय पेड़–पौधे हमें गंभीर बीमारियों से लड़ने की क्षमता और प्राकृतिक औषधियां प्रदान करते हैं। उन्होने वृक्षारोपण को एक जन आंदोलन बनाने पर जोर दिया ।

वृक्षारोपण के दौरान नगर पंचायत के कर्मचारीगण दुर्गाप्रसाद चौधरी, मो० आरिफ, विकास चौधरी, रिंकू यादव, प्रवती सिंह, अवधेश पटेल, सुधीर चौरसिया, रोहित दूबे आदि मौजूद रहे।

दबंगो ने स्कूली छात्र नाती को मारा पीटा बाबा ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के सीतारामपुर निवासी रामफेर ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कक्षा 9 के छात्र अपने नाती दुर्गा प्रसाद के जान माल की रक्षा और गांव के ही दबंगों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया है।

शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में रामफेर ने कहा है कि गांव के ही शशिकान्त पुत्र राम प्रताप, शिवम पुत्र मनोज, सुनील उपाध्याय पुत्र लल्लन प्रसाद और उनके भान्जे विशाल पुत्र सुरेन्द्र चौबे निवासी चिलमा थाना दुबौलिया आदि ने रामफेर के नाती लगभग 16 वर्षीय दुर्गा प्रसाद को जरा सी कहा सुनी को लेकर गत 29 मई को खडौवा चौराहे पर बुरी तरह

से उस समय मारा पीटा जब वह जूस पी रहा था। स्थानीय लोगों के बीच बचाव पर उसकी जान बची। दुर्गा प्रसाद ने दबंगों से अपनी जान बचाने की नीयत से 112 पर पुलिस को सूचना दिया। मौके से शशिकान्त आदि फरार हो गये। जब दुर्गा प्रसाद अपने घर आ रहा था तो रास्ते में शशिकान्त आदि ने उसे कट्टे से मारने के लिये दौड़ाया। उसे काफी चोटे आयी और एम्बुलेंस बुलाकर सी. एच.सी. मरवटिया पर रामफेर ने अपने नाती का इलाज कराया। नगर थानाध्यक्ष ने दोषियो के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जगह मोबाइल छीनकर नाती और बाबा को थाने के कमरे में बंद किया और कुछ लोगों की सिफारिश उन्हें रात्रि 8 बजे छोडा गया। रामफेर को आशंका है कि यदि दबंगों के विरूद्ध कार्रवाई न हुई तो उक्त लोग भविष्य में किसी अनहोनी घटना को अंजाम दे सकते हैं। रामफेर ने अपने नाती और परिवार के सुरक्षा की मांग करते हुये दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

टेट के सवाल को लेकर जन प्रतिनिधि जबाब दो अभियान चलायेंगे शिक्षक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को प्रेस क्लब सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल की अध्यक्षता में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने टीईटी की अनिवार्यता को केंद्र सरकार से 2011 से पूर्व नियुक्त उत्तर प्रदेश के 1.86 लाख शिक्षकों सहित देश भर के लगभग 20 लाख शिक्षकों को इस संकट से निकालने हेतु अध्यादेश लाकर सेवा सुरक्षा करने की मांग की।

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने शिक्षकों का आवाहन किया कि वे अपने हितों के लिये संघर्ष तेज करें और 5 जुलाई से 20 जुलाई तक प्रदेश भर के जनप्रतिनिधि जवाब दो अभियान में पूरी ताकत से जुट जाय।

बैठक में संघ ने सभी संगठनों को एक मंच पर आकर संयुक्त संघर्ष करने का आह्वान किया । महासंघ ने निर्णय लिया है कि शिक्षक अब शिक्षण कार्य के अतिरिक्त कोई गैर–शैक्षणिक कार्य नहीं करेंगे।

महासंघ द्वारा 5 जुलाई से 20 जुलाई तक प्रदेश भर के जनप्रतिनिधि जवाब दो अभियान में सांसद और विधायक को ज्ञापन देकर विधानसभा तथा विधान मंडल में आवश्यक विधायी संशोधन बिल लाने और शिक्षक हितों की मांग की जाएगी।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि अगर शिक्षक मुद्दे का समाधान नहीं किया जाएगा तो सितंबर माह में लखनऊ में एक महाआंदोलन किया जाएगा। बैठक में जिला मंत्री राघवेंद्र प्रताप सिंह, तौआब अली, अभय सिंह यादव, राज कुमार सिंह,शैल शुक्ला, विजय प्रताप वर्मा, नंद दुबे, स्कंध मिश्र, योगेश्वर शुक्ला, नरेंद्र दुबे, राजीव पांडे, दिनेश वर्मा, सुनील पाण्डेय, रविंद्र नाथ, संतोष शुक्ला, मुक्तिनाथ वर्मा, अभिषेक उपाध्याय, अखिलेश वर्मा, ओमप्रकाश, आशुतोष पांडे, प्रमोद तिवारी, विकास पांडे, अवनीष तिवारी, राजेश कुमार, प्रदीप मिश्रा, ज्ञानेश्वर शुक्ल, कुलदीप तिवारी, विनोद कुमार गौतम, पीयूष मौर्य, संतोष शुक्ला, ओम प्रकाश पाण्डेय, हरीश चौधरी, अभिषेक उपाध्याय, रजनीश मिश्रा, उमा शंकर मणि, दिवाकर सिंह, राजेश कुमार, कन्हैयालाल, रीता शुक्ला, विवेकानंद चौरसिया सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

20 लाख रूपये के चोरी मामले के खुलासे की मांगः एसपी को सौंपा पत्र

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र के निवासी वार्ड नम्बर–09 लक्ष्मीबाईनगर, नगर पंचायत बभनान शाहिद हुसैन पुत्र स्वर्गीय नूर मोहम्मद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर लगभग 20 लाख रूपये के चोरी मामले का खुलासा किये जाने की मांग किया।

शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में शाहिद हुसैन ने कहा है कि उनके घर पर 21 मई को दोपहर 2 बजे से लेकर 4 बजे के अन्दर चोरी की घटना का अंजाम दिया गया। उस समय उनके घर पर कोई नही था वे सुबह 9 बजे अपने दुकान खोलने चले गये और उनकी पत्नी लखनऊ एक शादी समारोह में चली गयी थी । रात में दुकान से लगभग 10 बजे रात्रि घर पर आया तो उसने देखा कि चैनल का ताला टूटा हुआ था 3 गोदरेज आलमारी खुली हुई थी 03 लाख 50 हजार रूपये नगदी और सारा सोने का जेवरात चोर उठा ले गये जिसकी सूचना स्थानीय थाना

पैकोलिया पर रात में तहरीर दी गयी । पुलिस द्वारा छानबीन करने पर लगे सी०सी०टी०बी० फुटेज में लगभग 4 से 5 लोग दिख रहे है जिस सम्बन्ध में स्थानीय थाना प्रभारी एवं क्षेत्राधिकारी ने जांच किया। 15 दिन बीत जाने के बाद भी कोई खुलासा नही हो सका । इस प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुए सामान व नगदी बारामद कराते हुए गिफ्तारी सुनिश्चत की जाये । माग किया कि विवेचक को बदल कर किसी अन्य से जांच कराकर चोरी मामले का खुलासा कराया जाय।

शिक्षकों ने किया नवागत लेखाधिकारी का स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने शुक्रवार को नवागत लेखाधिकारी विनय कुमार गौरव का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उनके सफल कार्यकाल की कामना किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग के सुचारु संचालन में लेखाधिकारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि नवागत लेखाधिकारी शिक्षकों एवं कर्मचारियों की वित्तीय समस्याओं का त्वरित और

न्यायपूर्ण समाधान सुनिश्चित करेंगे। साथ ही विभागीय कार्यों में पारदर्शिता एवं दक्षता को बढ़ावा देंगे। नवागत लेखाधिकारी ने स्वागत के लिए शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की नीतियों के अनुरूप सभी कार्यों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं के समाधान तथा विभागीय कार्यों को समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव, संगठन मंत्री रुकुनुद्दीन, विवेककांत पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र यादव, अशोक यादव, सनद पटेल, मंत्री रामभवन यादव, विवेक सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर डीएम, बीएसए को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला सह–संयोजक विजय प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में शिक्षकों के एक प्रतिनिधि मंडल ने शिक्षकों की प्रमुख समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा ।

ज्ञापन में मांग किया गया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों द्वारा जनगणना का कार्य किया जा रहा है। शासन द्वारा मकान सूचीकरण की अंतिम तिथि 20 जून 2026 निर्धारित की गई है तथा यह निर्देश भी दिया गया है कि धूप और हीटवेव से बचते हुए सुबह एवं शाम के समय जनगणना कार्य किया जाए। इसके बावजूद तहसील स्तर एवं खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से बार–बार फोन कर कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है,

जिससे शिक्षक मानसिक तनाव में हैं। जल्दबाजी के कारण आँकड़ों की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है।

जिला सह संयोजक विजय प्रकाश चौधरी व राम भरत वर्मा ने कहा कि आए दिन शिक्षक इस भीषण गर्मी में जनगणना कार्य के दौरान बीमार पड़ रहे है। ऐसे में इस तरह उन पर दबाव डालना कत्तई उचित नहीं है।

शिक्षकों ने मांग की कि शिक्षकों के प्रति सद्भावना रखते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने का अवसर प्रदान करें तथा ग्रीष्मावकाश में किए गए कार्य के बदले उपार्जित अवकाश स्वीकृत किया जाय।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से ज्ञान दास कनौजिया , इंद्रसेन मिश्रा,अजय कुमार चौधरी , गिरजा शंकर चौधरी , गंगा प्रसाद कनौजिया, सुभाष चौधरी , राम बचन एवं रमेश चौधरी सहित अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

महायोगी के जन्मोत्सव पर तपसी धाम में उमड़ी आस्था:289 रक्तवीरों ने लहू दान कर मनाया गोरक्षपीठाधीश्वर का जन्मदिन

–भारतीय बस्ती संवादददाता–

बस्ती। जब संकल्प में प्रामाणिकता और नेतृत्व में निष्ठा हो, तो आयोजन इतिहास बन जाते हैं। ऐसा ही कुछ ऐतिहासिक नजारा पौराणिक और संतों की पावन तपोभूमि तपसी धाम में देखने को मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज के जन्मोत्सव को विश्व हिन्दू महासंघ ने किसी पारंपरिक उत्सव की तरह नहीं, बल्कि एक महा–संकल्प के रूप में धरातल पर उतारा।

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह की अध्यक्षता और तपसी धाम के पूज्य महंत जय बक्श दास जी महाराज के दिव्य संरक्षण में शुरू हुए तीन दिवसीय महामहोत्सव के पहले ही दिन 289 युवाओं और समाजसेवियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। जिला अस्पताल के डॉक्टरों की टीम भी युवाओं के इस अभूतपूर्व उत्साह को देखकर दंग रह गई, जहाँ लोग कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे।

महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ समाजसेवी शिक्षण विधि एवं कवि राम नरेश सिंह मंजुल, विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना और महंत जय बक्स दास, हर्रैया के विधायक अजय सिंह ने संयुक्त रूप से भारत माता के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

रक्तदान शिविर का अवलोकन करने पहुंचे जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने इस मानवीय पहल की मुक्तकंठ से सराहना की। डीआईजी

–विश्व हिंदू महासंघ का त्रिदिवसीय अनुष्ठान शुरू, संतों की तपस्थली पर खाकी, खादी और जनशक्ति का अद्भुत समागम

–डीआईजी, एसपी और प्रदेश महामंत्री ने कहा मानव सेवा का यह बस्ती मॉडल पूरे प्रदेश के लिए बनेगा उदाहरण

और एसपी बस्ती ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र सौंपते हुए कहा, अक्सर जन्मदिन के आयोजनों में हो–हल्ला और तामझाम देखने को मिलता है, लेकिन पूज्य महाराज जी के जन्मदिन पर बस्ती के युवाओं ने जो सेवा का मार्ग चुना है, वह अनुकरणीय है। यह रक्त न जाने कितने असहाय और बीमार लोगों की रगों में दौड़कर उन्हें नया जीवन देगा। विश्व हिंदू महासंघ के प्रदेश महामंत्री दिग्विजय सिंह राना ने लखनऊ से विशेष तौर पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और कहा कि पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन ही राष्ट्र और सनातन को समर्पित है, उनके जन्मदिन पर इससे सुंदर उपहार कुछ और नहीं हो सकता।

इस विशाल आयोजन की सफलता के पीछे विश्व हिंदू महासंघ और सनातन रक्षा वाहिनी की महीनों की सूक्ष्म प्लानिंग और ग्राउंड वर्क साफ दिखाई दिया। युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी और सनातन रक्षा वाहिनी के जिलाध्यक्ष विवेक श्रीवास्तव ने सुबह से ही मोर्चा संभाल रखा था। बालकृष्ण सिंह बबलू, सौरभ चतुर्वेदी, अमरजीत सिंह, विजय शंकर शुक्ला और सुनील मिश्रा ने आगंतुकों की अगवानी और भोजन–पानी की व्यवस्था संभाली। राजकुमार उर्फ मंटू चौधरी, अंकित सिंह, समर प्रताप सिंह, शिवम त्रिपाठी, रत्नेश पाल, महेश हिंदुस्तानी, सतीश पाण्डेय 'पप्पू', अर्पण श्रीवास्तव औरं उज्जवल सिंह ने यह सुनिश्चित किया कि भीषण गर्मी के बावजूद किसी भी रक्तदाता को कोई असुविधा न हो।

देर शाम तक गूंजते रहे राष्ट्रभक्ति के तराने

जैसे–जैसे सूरज ढल रहा था, तपसी धाम का माहौल और अधिक आध्यात्मिक और ऊर्जावान होता जा रहा था। सूरज श्रीवास्तव, सौरभ गुप्ता, रूपनारायण गौड़, अभय चौधरी, राजन सिंह, रवि शुक्ला, प्रिंस जायसवाल, राकेश सिंह, विपिन सिंह, परमानंद गुप्ता और शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूरे परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन को बनाए रखा। पूरा तपसी धाम परिसर 'जय श्रीराम' और 'महायोगी आदित्यनाथ अमर रहें' के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान रहा।

आयोजन की सफलता से गदगद विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंच से घोषणा की कि आज पहले दिन बस्ती के युवाओं ने 289 यूनिट रक्तदान करके इतिहास रचा है। लेकिन यह महोत्सव यहीं नहीं रुकने वाला है। यह तीन दिवसीय अनुष्ठान है। अगले दो दिनों में तपसी धाम की पावन धरती पर अखंड रामायण पाठ, महाआरती, सुंदरकांड और एक विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें पूरा बस्ती जनपद आमंत्रित है।

इस आयोजन की भव्यता तब और बढ़ गई जब पूनम सिंह, कंचन विश्वकर्मा, अनुसूया पाण्डेय, और आरती देवी के नेतृत्व में महिलाओं की भारी टोली तपसी धाम पहुंची। केवल पुरुषों ने ही नहीं, बल्कि इन महिला पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी रक्तदान कर समाज को यह संदेश दिया कि राष्ट्र सेवा में आधी आबादी किसी से पीछे नहीं है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 55 वें जन्मदिन पर विधायक अजय सिंह ने बांटी खुशियां, अस्पतालों, वृद्धाश्रम को दिया कूलर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्म दिवस के अवसर पर हर्रैया विधायक अजय सिंह ने जनसेवा और मानवता का संदेश देते हुए जिला अस्पताल, महिला अस्पताल एवं वृद्धा आश्रम में कूलर और फलों का वितरण किया गया।

शुक्रवार को कार्यक्रम के दौरान विधायक अजय सिंह ने अस्पताल में भर्ती मरीजों उनके तीमारदारों एवं वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना। उन्होंने मरीजों को फल वितरित किए तथा भीषण गर्मी को देखते हुए जिला अस्पताल में 05, महिला अस्पताल में 04एवं वृद्धाश्रम के लिए 02 कूलर उपलब्ध कराया जिससे लोगों को राहत मिल सके।

विधायक अजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जीवन जनसेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। उनके जन्म दिवस को सेवा और समर्पण के रूप में मनाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धा है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुंचाना और जरूरतमंदों की सहायता करना

ही भारतीय जनता पार्टी की कार्यशैली का मूल मंत्र है।

विधायक ने अस्पताल प्रशासन एवं वृद्धाश्रम के जिम्मेदार अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। अंत में रमवापुर पाठक निवासी मुन्ना जो 8 वर्षों से वृद्धा आश्रम में निःशुल्क वृद्धो का दाढ़ी बाल बनाने का कार्य कर रहे है उनका विधायक अजय सिंह के द्वारा अंग वस्त्र एवं सहयोग राशि भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरैया विधायक प्रतिनिधि पं० सरोज मिश्रा, सीएमओ राजीव निगम,सीएमएस महिला अनिल कुमार, अधीक्षक खालिद सिद्दीकी, देवेंद्र पाल,रविन्द्र सिंह उर्फ लाल बाबू, ब्लॉक प्रमुख रामनगर यशकांत सिंह, अभिजीत सिंह, वीरेंद्र पाल, कृष्ण चन्द्र सिंह, अवधेश सिंह, अमरनाथ सिंह भावेश पांडेय, संतोष विश्वकर्मा, जयंत मिश्र, सिद्धांत मिश्र, शिवांश उपाध्याय, प्रेरित पाल, हैप्पी सिंह सहित भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, चिकित्सक, अस्पताल कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 जून 2026 शनिवार

सम्पादकीय

अवैध शराब की चुनौती

भारत में – तमिलनाडु, गुजरात, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, असम और महाराष्ट्र में – अवैध शराब के सेवन से सामूहिक मौत की कई घटनाएं हो चुकी हैं। साल 2015 की मालवणी घटना के बाद, जिसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गये थे, व्यवस्थागत सुधार के आधिकारिक वादे किये गये जो कभी पूरी तरह अमल में नहीं आये दृ न तो वहां न ही कहीं और। पिछले हफ्ते पुणे–पिंपरी–चिंचवाड़ त्रासदी सामने आयी, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा पीड़ित गरीब मोहल्लों में रहने वाले कामगार तबके के लोग हैं। प्रारंभिक जांच में कामचलाऊ से कहीं बेहतर सप्लाई चेन का पता चला है। औद्योगिक ग्रेड का मेथनॉल दृ वह जहर जो ज्यादातर कच्ची शराब त्रासदियों के लिए जिम्मेदार होता है दृ राज्य के बाहर से लाया गया और तगड़ी देशी शराब बनाने के लिए उसे एथनॉल में मिलाया गया। लाइसेंसी अल्कोहल की मांग को भारी राज्य करों का सामना करना पड़ता है, जिससे निम्न–आय वाले लोग अवैध शराब की ओर मुड़ते हैं। दूसरी तरफ, औद्योगिक मेथनॉल मिलाने से नगण्य इनपुट लागत पर बैच की मात्रा काफी बढ़ जाती है, जिससे नफे में जबरदस्त अंतर आ जाता है। हालांकि, जांच से गुजर रहे कुछ लोगों ने पूछताछ के दौरान यह भी कहा है कि अपने 'ग्राहकों' को जहर देना 'नियमित' विक्रेताओं के हित में नहीं है।

फिर भी, ऐसी गतिविधियां अमूमन अर्ध–दृश्यमान स्थानीय अर्थव्यवस्थाएं होती हैं जो गोपनीयता से ज्यादा प्रशासकीय सहिष्णुता के बूते चलती हैं और इसलिए पुलिस व स्थानीय अधिकारियों की मिलीभगत के आरोपों की जांच जरूर होनी चाहिए। अधिकांश जानलेवा घटनाओं के बाद शुरुआती कानून प्रवर्तन में केवल खुदरा विक्रेताओं को गिरफ्तार किया जाता हैय कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं और कथित सरगनाओं के मामले में जांच अक्सर असमान नतीजों वाली या अनिर्णायक साबित हुई है।

वास्तव में, इन त्रासदियों की पुनरावृत्ति इसलिए होती है कि तबाही के कारक बार–बार साथ आ पाने में सक्षम होते हैं। फैक्ट्रियों से निकलने के बाद मेथनॉल के इस्तेमाल पर नजर रखने की कोशिशों में एक बड़ी नियामकीय चूक यह है कि कितनी आसानी से इसे चुराकर अवैध शराब के लिए भेज दिया जाता है। ज्यादातर पीड़ित दिहाड़ी मजदूर होते हैं और विद्वानों का तर्क है कि शारीरिक श्रम से पैदा थकान सस्ती राहत की मांग पैदा करती है जो जहरीले पदार्थों के प्रति सतर्कता पर भारी पड़ती है। इसमें आर्थिक अनिश्चितता और लत भी भूमिका निभाती हैं।

चूंकि पीड़ित अक्सर हाशिए के समुदायों के होते हैं, इस चक्र को तोड़ने की खातिर जरूरी सुधारों दृ जिसमें मेथनॉल का बेहतर हिसाब रखना और वहनीय अल्कोहल विकल्प शामिल हैं दृ को लागू करने के लिए लगातार–बरकरार राजनीतिक इच्छाशक्ति का अक्सर अभाव होता है। साल 2024 के एक विश्लेषण में, लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि वैध शराब की ऊंची कीमतें सबसे गरीब उपभोक्ताओं को अवैध बाजार की ओर धकेलती हैं, जो भारत में अल्कोहल खपत का अनुमानतः 40 फीसदी है।

इसी तरह, बिहार और गुजरात में पूर्ण शराबबंदी बाजार को आपराधिक सिंडिकेट के हवाले कर देती है, जहां गुणवत्ता नियंत्रण वैकल्पिक है और निगरानी खराब है। अंत में, कानूनी समीक्षाओं में यह निष्कर्ष सामने आया है कि बड़ी मछलियां विरले ही पकड़ी जाती हैं, और जो गिरफ्तार होती भी हैं उन्हें विरले ही सजा होती है। इन सुधारों के बगैर, विनियामकीय खामियां और कमजोर प्रवर्तन अवैध शराब को एक लोक स्वास्थ्य संकट बनाये रखेंगे।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

–ललित गर्ग–

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्सेंजपब च्वसस्नजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति–विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण–ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी–बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई–नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक–दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चौथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है।

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़–पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैय यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह–अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

– ललित गर्ग (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कैसे रूकेंगे मालवीय नगर होटल अग्निकांड जैसे हादसे, जिम्मेदार कौन?

– कमलेश पांडेय–

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल–अग्निकांड में 21 लोगों की मृत्यु और दर्जनों के घायल होने की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुरक्षा नियमों की संभावित विफलता और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली या अन्य महानगरों में हुई ऐसी ही घटनाओं से सिविलध्पुलिस प्रशासन ने कोई सीख नहीं ली, जिससे यह हादसा भी नियति का खेल बनकर रह गया। प्रशासन को इसे गम्भीरता से लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगे, जिससे इतनी भारी क्षति नहीं हो पाए।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भवन में केवल एक प्रवेश–निकास मार्ग था, बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों में क्षमता से अधिक कमरे संचालित किए जा रहे थे, तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन पर भी सवाल उठ रहे हैं। लिहाजा यह प्रश्न मौजूं है कि आखिर इस लोमहर्षक और दर्दनाक घटना का जिम्मेदार कौन? यह ठीक है कि जांच पूरी होने से पहले अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन सामान्यतः ऐसी घटनाओं में जिम्मेदारी कई स्तरों पर तय होती है जो इस प्रकार से समझी जा सकती हैरू–

पहला, होटल मालिक और अदूरदर्शी प्रबंधनरू यदि बिना वैध अग्नि सुरक्षा अनुमति (थ्पतम छव्) के संचालन हुआ। यदि निर्धारित क्षमता से अधिक कमरे या अवैध निर्माण किए गए। यदि आपात कालीन निकास, अलार्म और अग्निशमन उपकरण पर्याप्त नहीं थे। तो इसका सीधा तातपर्य है कि होटल मालिक के अदूरदर्शी प्रबंधन ने लोगों को अप्रत्याशित मुसीबत की आग में झुलसने को मजबूर कर दिया और समय पर समुचित मदद उनतक नहीं पहुंच पाई। यह जांच का विषय है और शायद इसी वजह से होटल मालिक को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में भी लिया है।

दूसरा, लाइसेंस और निरीक्षण देने वाली एजेंसियांरू यदि नियमों के उल्लंघन के बावजूद संचालन जारी रहा। यदि नियमित निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रहे, तो लाइसेंस जारी करने और निरीक्षण देने वाली एजेंसियों पर उँगली उठनी स्वाभाविक बात है, क्योंकि इनकी लापरवाही या मिलीभगत से न केवल जान–माल की भारी क्षति हुई, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार के गुणवत्ता हीन विकास और कथित सुशासन के दावों की भी हवा निकल गई। चूंकि इस अग्निकांड के विदेशी नागरिक भी शिकार बताए जाते हैं, इसलिए विदेशों में भारत की बदनामी स्वाभाविक है और इससे दिल्ली समेत देश का पर्यटन कारोबार भी प्रभावित हो सकता है।

तीसरा, स्थानीय प्रशासन और नगर निकायरू अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक उपयोग और सुरक्षा उल्लंघनों की समय रहते पहचान न कर पाना भी जांच का विषय है। चूंकि स्थानीय प्रशासन और नगर निकाय से जुड़े जिम्मेदार लोग भी यदि समय रहते ही खामियां पकड़ लिए होते और स्पष्ट कार्रवाई किये होते तो राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की इतनी बदनामी नहीं होती।

इसलिए यक्ष प्रश्न समुपस्थित है कि आखिर कबतक ऐसे दर्दनाक हादसे रुकेंगे और कैसे रुकेंगे? इसका जवाब निम्नतम हो सकता है–

पहला, शून्य–सहनशीलता नीतिरू बिना Fire NOC वाले होटल, गेस्ट हाउस और रेस्तरां तत्काल बंद किए जाएं। दूसरा, डिजिटल और सार्वजनिक निरीक्षणरू सभी होटलों की अग्नि सुरक्षा स्थिति ऑनलाइन सार्वजनिक हो ताकि ग्राहक भी देख सकें कि होटल सुरक्षित है या नहीं। तीसरा, बहु–निकास अनिवायरू एक ही प्रवेश–निकास वाले भवनों को होटल या व्यावसायिक उपयोग की अनुमति न दी जाए। चौथा, आपातकालीन अभ्यासरू होटल कर्मचारियों और अतिथियों के लिए नियमित फायर ड्रिल अनिवार्य हो। पांचवा, व्यक्तिगत जवाबदेहीरू केवल जुर्माना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही साबित होने पर होटल मालिकों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो। छठा, नागरिक जागरूकतारू होटल में ठहरते समय लोगों को भी आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

इस घटना से हमें व्यापक सबक मिलती है, क्योंकि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि भारत में कई बार हादसों के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा तो होती है, लेकिन सुरक्षा संस्कृति में अपेक्षित बदलाव नहीं आता। 2019 के दिल्ली होटल अग्निकांड सहित कई बड़ी आग की घटनाओं के बाद भी वही समस्याएंकृएकमात्र निकास, अवैध निर्माण, और सुरक्षा मानकों की अनदेखीकृदोहराई जाती रही हैं। ऐसे में फिर यदि जांच में सुरक्षा नियमों की अनदेखी सिद्ध होती है, तो जिम्मेदारी केवल होटल मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिएय उन सभी संस्थाओं और अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए जिनकी निगरानी में यह व्यवस्था चल रही थी। – कमलेश पांडेय वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ताकि अलनीनो का कम पड़े दुष्प्रभाव

– उमेश चतुर्वेदी–

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर–पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है।

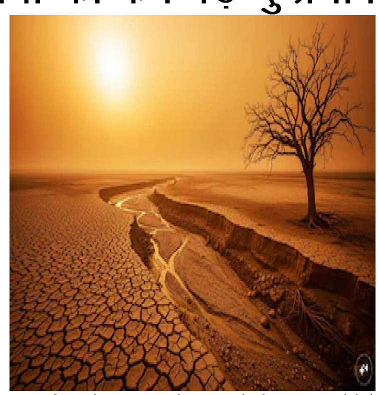

साल 2026 में प्रशांत महासागर में सक्रिय श्अल नीनोश का साया भारत के कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अपने संशोधित पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष मानसून सामान्य से कम रहने की आशंका जताई है। नए पूर्वानुमान के अनुसार, इस साल औसत से करीब दस फीसद कम बारिश होने की आशंका है। भारत में, जहाँ कृषि अभी– भी काफी हद तक मानसून पर निर्भर है, उसके लिए मानसूनी बारिश की कमी और भीषण सूखा एक तरह से विपत्ति का ही द्योतक है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सिंचाई का भी प्रबंधन किया जाए।

भारत की करीब साठ प्रतिशत अब भी सीधे तौर पर खेती–किसानी पर निर्भर है। सूखे की मार की वजह से इस बड़ी आबादी के सामने सहज तरीके से रोजी–रोटी का संकट उठ खड़ा होगा। इससे बचाव के लिए जरूरी होगा कि सिंचाई के ऐसे साधनों और तकनीक को अपनाया जाए, जिनके जरिए पानी को बचाया जा सके और तुलनात्मक रूप से ज़्यादा पैदावार ली जा सके। अल नीनो का दूसरा अर्थ है, कम वर्षा और भीषण सूखा। इस परिस्थिति में भारत में सिंचाई साधनों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, जिनसे न केवल फसलों का बचाव हो सके, बल्कि खाद्य सुरक्षा को भी सुनिश्चित किया जा सके। जहाँ तक भारत में सिंचाई व्यवस्था की बात है, तो मुख्य रूप से यह भूजल और सतही जल यानी नहरों और तालाबों पर आधारित है। चूँकि इस साल अल नीनो के कारण कम बारिश होने की आशंका है, इसलिए इन साधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

वर्षा की कमी के कारण भूजल का पुनर्भरण यानी रिचार्ज कम होता है, जिससे भूजल स्तर और नीचे चला जाता है। वैसे भी उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से ही भूजल स्तर काफी नीचे चला गया है। इसलिए सूखे की स्थिति विशेषकर उत्तर–पश्चिम और मध्य भारत के लिए बहुत खतरनाक है। अल नीनो के चलते इस साल वर्षों पहले बने बांधों और जलाशयों में पानी का भंडारण सामान्य से कम होने की आशंका है। इस पानी का इस्तेमाल ज्यादातर रबी फसलों के लिए होता है। जब पानी कम होगा तो रबी फसलों की सिंचाई के लिए कम उपलब्ध होगा। अल नीनो के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों के सूखे की चपेट में आना स्वाभाविक है। इसकी वजह से पैदावार पर बुरा असर पड़ना तय है। इससे फसलों की बुवाई में देरी हो सकती है और फसलों की बुआई के लिए अतिरिक्त सिंचाई की आवश्यकता पड़ेगी। इसके लिए भूजल की आवश्यकता होगी और उसे चूँकि ट्यूबवेल से निकाला जाएगा, लिहाजा बिजली की माँग बढ़ेगी।

इसके लिए सिंचाई के दृष्टिकोण में बदलाव की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी हो जाता है कि किसानों को कम पानी की जरूरत वाली फसलों, जैसे बाजरा, मूँग, अरहर, मक्का आदि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसे कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस उपाय को अपनाने की बात भी की है। सरकार की ओर से इस संबंध में किसानों को तैयार भी किया जा रहा है। इसके तहत मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए पौधों की जड़ों के आसपास सूखी पत्तियों या प्लास्टिक की शीट की परत बिछाने का सुझाव दिया जा रहा है।

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, देशी पौधों को आमतौर पर बढ़ने के लिए कम पानी की आवश्यकता होती है या वे अन्य प्रकार की घासों, पेड़ों और झाड़ियों की तुलना में उपलब्ध पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि किसान और बागवानी करने वाले लोग अपने बगीचों या यहां तक कि अपने व्यवसायों के सामने भी पत्थरों या अन्य प्रकार के भू–आवरण का उपयोग करके रचनात्मक तरीके से पानी को बचा सकते हैं । कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार शुष्क बागवानी के मूल सिद्धांत हैं कि पौधों की आवश्यकता के अनुसार ही पानी का उपयोग किया जाए और ऐसी बागवानी डिजाइन और पौधों का चयन किया जाए जो उपलब्ध वर्षा जल का उपयोग कर सकें।

इसके साथ ही ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई व्यवस्था को भी अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इससे पानी की खपत को कम किया जा सकता है। इसके साथ ही खेत के तालाबों और जल संचयन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो सूखे की हालत में सिंचाई की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

किसानों को जरूरत के हिसाब से खेत के उन क्षेत्रों में सिंचाई किया जाना होगा, जिसे पानी की जरूरत ज़्यादा हो। रासायनिक खाद और कीटनाशकों के उपयोग वाली फसलों को पानी की ज़्यादा आवश्यकता होती है। ऐसी फसलों से बचना होगा और जैविक खाद एवं प्राकृतिक कीटनाशकों के इस्तेमाल किया जाना चाहिए होगा।

– उमेश चतुर्वेदी वरिष्ठ पत्रकार (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूपी को बर्बाद करने वाले सुअरों को तबाह किया, योगी बोले– पहले यही चूहे बिदकते थे, माफिया चुनोगे तो खून ही चूसेगा

संवाददाता–बलरामपुर। योगी ने बलरामपुर में कहा कि कुछ चूहे पहले बिदकते थे, बाद में सूअर बनकर पूरे प्रदेश को तबाह करने लगे। आज उनको ही तबाह कर दिया गया है। अगर माफिया को चुनोगे तो खून भी चूस डालेगा। विकास का पैसा खाकर संपत्तियों पर भी कब्जा कर लेगा। सीएम योगी आदित्यनाथ दो दिन के दौरे पर शुक्रवार को बलरामपुर पहुंचे। यहां उन्होंने करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही कई छोटे बच्चों को गोद में लेकर अपने हाथों से खीर खिलाई। विश्व पर्यायवरण दिवस है। ये दिन हमें बताता है कि जल है तो कल है और वन है तो जीवन है। अगर हम जल के स्त्रोत को गंदा करते हैं तो इसका परिणाम भी हम ही झेलेंगे। आज बलरामपुर विकास की ओर बढ़ रहा है। आज यहां बिजली–पानी की व्यवस्था है।

मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यायल और थारू संग्रहालय का सपना साकार

हुआ है। 2007 से मांग थी लेकिन अब जाकर मथुरा घाट पर ब्रिज की स्वीकृति मिली है। आज सड़कें चकाचक बन रहीं। बाढ़ की समस्या का समाधान किया जा रहा है। बांधों की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। सिंचाई की समस्या का समाधान किया जा रहा है। विकास के मॉडल को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आज मैं आपके बीच में हूं। 2017 से पहले यहां सपा के गुंडे–दलाल राशन खा जाते थे। गरीब को राशन नहीं मिल पाता था। आज हमने आपको कार्ड भी दिया है। गरीब को फ्री में राशन मिल रहा है। मकान दिया जा रहा है। शौचालय का निर्माण किया जा रहा है। नौजवानों के लिए रोजगार, शासन की योजनाओं से जोड़ने और बहन–बेटियों में सुरक्षा की भावना उत्पन्न कराया जा रहा है। बिना भेदभाव के सबको विकास के तहत लाभ पहुंचाया जा रहा है। पीएम सबका साथ–सबका विकास पर काम कर रहे हैं। लेकिन अगर बेटी को छेड़ने का काम किया, व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने का काम किया तो किसी को छोड़ेंगे नहीं। अब दंगा मुक्त, गुंडा मुक्त प्रदेश होकर उत्तर प्रदेश बहुत तेजी से उभर रहा है। पहले आप कहीं जाते थे, माफिया से आपका संबंध आपकी पहचान पर संकट लाता था लेकिन वही मफिया मिट्टी में मिल गए। 2017 से पहले यूपी से आए हुए व्यक्ति से लोग दूरी बना लेते थे लेकिन अब 10 कदम आगे आकर आपको गले लगाते हैं। आज की पहचान सुरक्षा के लिए हो रही है। आज प्रदेश की पहचान देश के युवा राज्य की तरह हो रही है। यूपी की पहचान आध्यात्म पर्यटन की तरह बढ़ रही है। ये सब इसलिए हुआ है क्योंकि आपने अच्छे नेता को चुना है। अगर माफिया को चुनोगे तो खून भी चूस डालेगा। विकास का पैसा खा लेगा। संपत्तियों पर भी कब्जा करता है। चूहे पहले बिदकते थे, बाद में सूअर बनकर पूरे प्रदेश को तबाह करने लगे, आज उनको ही तबाह कर दिया गया है।

ड्यूटी पर जा रही स्टाफ नर्स की ट्रक से कुचलकर मौत

संवाददाता–कुशीनगर। जिले के फाजिलनगर कस्बे के जैन मंदिर चौराहे के समीप शुक्रवार की सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक 24 वर्षीय युवती की ट्रक से कुचलकर मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।फाजिलनगर कस्बे के ब्लॉक रोड निवासी अंकिता सिंह (24) पुत्री दिनेश सिंह शुक्रवार की सुबह करीब नौ बजे अपने घर से कसया स्थित एक निजी अस्पताल में ड्यूटी के लिए निकली थीं। वह अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर कार्यरत थीं। प्रतिदिन की तरह वह पैदल जैन मंदिर चौराहे पर सवारी पकड़ने जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गईं। हादसा इतना भीषण था कि युवती का सिर ट्रक के पहिए के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। बेटी की असामयिक मौत से परिवार सदमे में है।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का किया शुभांरभ पिता के नाम भी पेड़ लगाने की अपील

संवाददाता–गोण्डा। एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचे प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर तिर्रेमनोरमा पारासराय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने विधि–विधान से पूजा–अर्चना करने के बाद श्एक पेड़ मां के नामश अभियान के तहत वृक्षारोपण किया और लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। वहीं अखिलेश यादव को लेकर कहा कि जनता ने पिछले कई चुनावों में अपना फैसला स्पष्ट रूप से दिया है। अखिलेश यादव अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने लोगों से अपनी मां के नाम पर पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि महिलाएं अपने मायके के बजाय ससुराल में अपनी मां के नाम पर पेड़ लगाएं। साथ ही उन्होंने पिता के नाम पर भी पौधारोपण करने की अपील की। मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि श्एक पेड़ मां के नामश अभियान व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम का हिस्सा है। उन्होंने विश्वास जताया कि गोंडा जिले के लोग बढ़–चढ़कर इस अभियान में हिस्सा लेंगे और इसे जनआंदोलन का रूप देंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की इस पहल से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से निपटने में भी मदद मिलेगी। उनका कहना था कि यह छोटा प्रयास भविष्य में एक बड़े आंदोलन का स्वरूप ग्रहण कर सकता है। दिल्ली के मालवीय नगर में हुई अग्निकांड की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने इसे बेहद दुखद बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए और सरकार पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उत्तर प्रदेश में इस तरह की घटनाओं की आशंका को लेकर पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि यदि प्रदेश में कहीं भी सुरक्षा मानकों की अनदेखी या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए आशीष पटेल ने कहा कि जनता ने पिछले कई चुनावों में अपना फैसला स्पष्ट रूप से दिया है। उन्होंने कहा कि 2017, 2019, 2022 और 2024 के चुनाव परिणामों ने विपक्ष को जवाब दे दिया है और उन्हें पहले अपने राजनीतिक प्रदर्शन पर आत्ममंथन करना चाहिए।

उर्वरक वितरण की गहन समीक्षा

संवाददाता–श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में उर्वरक वितरण व्यवस्था की गहन समीक्षा बैठक हुई। यह बैठक जनपद में उर्वरक की कालाबाजारी रोकने और किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इसमें जिला कृषि अधिकारी, अपर जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता तथा जिला प्रबंधक पीसीएफ सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद की सभी साधन सहकारी समितियों और निजी उर्वरक विक्रय केंद्रों पर केवल फार्मर रजिस्ट्री (फार्मर आईडी) के आधार पर ही उर्वरक का वितरण किया जाए। बिना फार्मर रजिस्ट्री के उर्वरक बेचने पर संबंधित विक्रेता के खिलाफ उर्वरक नियंत्रण आदेश–1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम–1955 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी को निर्देश दिए कि प्राविधिक सहायक (ग्रुप–सी), एटीएम, बीटीएम और सहायक विकास अधिकारी (कृषि) अपने–अपने क्षेत्रों में उर्वरक दुकानों का नियमित निरीक्षण करें। उन्होंने वितरण रजिस्टर अनिवार्य रूप से बनवाने और किसी भी प्रकार की अवैध बिक्री पर तत्काल रोक लगाने के लिए भी कहा। उन्होंने यह भी बताया कि शासन की महत्वाकांक्षी एग्रीस्टैक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री का कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर है।

योगी आदित्यनाथ का जन्मोत्सव मनाया गया, सुंदरकांड पाठ हुआ, 101 किलो प्रसाद वितरित

संवाददाता–देवरिया। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मोत्सव के अवसर पर धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्व हिन्दू महासंघ के तत्वावधान में पुरवा चौराहा स्थित वंदे मातरम् चौक पर आयोजित कार्यक्रम में सुंदरकांड का सामूहिक पाठ, पूजन–अर्चन और 101 किलोग्राम प्रसाद का वितरण किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संकटमोचन हनुमान जी की आराधना और सुंदरकांड पाठ से हुई। इस दौरान प्रदेश की सुख–समृद्धि, राष्ट्र के विकास और जनकल्याण की कामना करते हुए विशेष प्रार्थना की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। मुख्य अतिथि शिक्षाविद डॉ. कमलेश शाही ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जीवन, व्यक्तित्व और सार्वजनिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। उन्होंने कहा कि जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा किए गए कार्यों की व्यापक चर्चा देशभर में हो रही है।

विशिष्ट अतिथि पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री नीरज शाही तथा विश्व हिन्दू महासंघ गोरखपुर मंडल के मंडल प्रभारी बृजेश कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन संस्कृति और राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को व्यापक पहचान दिलाने का कार्य किया है। वक्ताओं ने समाज में सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। विश्व हिन्दू महासंघ के जिलाध्यक्ष संजय तिवारी ने बताया कि संगठन के कार्यकर्ता समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच 101 किलोग्राम प्रसाद वितरित किया गया। आयोजकों के अनुसार जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर देवरिया सदर प्रमुख पिंटू जायसवाल, जिला महामंत्री मृत्युंजय कुमार सिंह श्गुड्डू पहलवानश, सत्यजीत मणि, अमित कुमार सिंह, गिरिजेश तिवारी, अमरनाथ मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, संदीप विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, पवन पांडेय, अशोक यादव सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि मुख्यमंत्री का जन्मोत्सव धार्मिक अनुष्ठानों और सामाजिक सहभागिता के माध्यम से मनाया गया।

प्रशासन ने अवैध मीट दुकानों पर की कार्रवाई

संवाददाता–देवरिया। नगर पालिका परिषद, तहसील प्रशासन और खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्टेशन रोड पर अवैध रूप से संचालित मीट, मछली और चिकन की दुकानों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। इस अभियान के तहत 6 दुकानों को सील किया गया। इसके अतिरिक्त, सिंह वाहिनी दुर्गा मंदिर क्षेत्र में अवैध रूप से निर्मित दुकानों पर जेसीबी चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई भी की गई। यह अभियान शुक्रवार शाम पांच बजे चलाया गया। प्रशासन का कहना है कि इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य नगर में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करना और खाद्य सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराना है। खुले में मांस–मछली की बिक्री को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों के बाद प्रशासन ने यह सख्त कदम उठाया। अभियान के दौरान टीम ने स्टेशन रोड क्षेत्र में संचालित अवैध दुकानों की गहन जांच की। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया। वहीं, सती मंदिर क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण और निर्माण को जेसीबी की मदद से हटाया गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस संयुक्त कार्रवाई में नायब तहसीलदार शिवेन्द्र कौन्डिल्य, खाद्य सुरक्षा अधिकारी (नगर क्षेत्र) राजू पाल, अधिशासी अधिकारी संजय कुमार तिवारी, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक श्रद्धानंद और राज प्रताप सिंह सहित नगर पालिका के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नगर में स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और नियमों के पालन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी अवैध निर्माण और खुले में मांस बिक्री के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने समीक्षा बैठक में जताई नाराजगी, एक्सईएन की जगह पहुंचे जेई को बाहर किया, वेतन रोकने के निर्देश

संवाददाता–गोंडा। जिले का प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल शुक्रवार को पहली बार जिले के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में विभागीय अधिशासी अभियंताओं (एक्सईएन) के स्थान पर जूनियर इंजीनियर (जेई) के पहुंचने पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी जताई और उन्हें बैठक से बाहर कर दिया। बैठक के दौरान मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भविष्य में समीक्षा बैठकों में संबंधित विभागों के अधिशासी अभियंता ही उपस्थित रहें। उन्होंने मनकापुर विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता के अनुपस्थित रहने पर उनका वेतन रोकने के निर्देश भी दिए। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए मंत्री आशीष पटेल ने अधिकारियों को प्रदेश सरकार की योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से जनहित की योजनाओं को

प्राथमिकता के आधार पर लागू करने और उनकी नियमित निगरानी करने को कहा। कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान मंत्री ने पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल को अपराधियों के खिलाफ प्रभावी और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की जाए जिससे अपराधियों में कानून का भय पैदा हो और वे दोबारा आपराधिक गतिविधियों में शामिल न हो सकें। बैठक के समापन पर मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए और उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा, तरबगंज विधायक प्रेम नारायण पांडेय, कटरा बाजार विधायक बावन सिंह, केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री के प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा, कैसरगंज सांसद प्रतिनिधि संजीव सिंह, मनकापुर विधायक प्रतिनिधि वेद प्रकाश दुबे, जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, मुख्य विकास अधिकारी दयानंद प्रसाद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का स्वागत

संवाददाता–महराजगंज। धानी बाजार स्थित भाजपा कार्यालय पर उस समय उत्साह और उत्सव का माहौल देखने को मिला, जब भाजपा प्रदेश अध्यक्ष–केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का आगमन हुआ। उनके स्वागत में कार्यकर्ताओं ने ढोल–नगाड़ों के साथ जोरदार अभिनंदन किया और माल्यार्पण कर सम्मानित किया। पूरे क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। अपने संबोधन में पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाना ही पार्टी की जीत का आधार होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करने और संगठन को मजबूत करने का मंत्र दिया, ताकि आने वाले चुनाव में पुनः भाजपा की सरकार बनाई जा सके। इस दौरान व्यापार मंडल धानी बाजार के पदाधिकारियों ने धानी क्षेत्र के विकास से जुड़ी महामंत्री अभिषेक अग्रहरी के नेतृत्व मे तीन प्रमुख मांगों को लेकर एक ज्ञापन पंकज चौधरी को सौंपा। इस प्रतिनिधिमंडल में संरक्षक राकेश अग्रहरी,अर्जुन अग्रहरी, अशोक अग्रहरी, उपाध्यक्ष दीपक अग्रहरी, बैजनाथ अग्रहरी, संतोष कुमार अग्रहरी ,कोषाध्यक्ष पंकज अग्रहरी ,अमित, मनोज वर्मा और मनोज सैनी सहित अन्य सदस्य शामिल रहे। ज्ञापन में धानी बाजार को नगर पंचायत का दर्जा देने, राप्ती नदी के दोनों घाटों के निर्माण तथा बडुई क्षेत्र के सुंदरीकरण की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। पंकज चौधरी ने इन मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और सभी उचित मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह के अनुज छट्टू सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि योगेंद्र नाथ त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष नितेश मिश्रा, महामंत्री अवध नारायण अग्रहरी, शैलेन्द्र सिंह, परमात्मा अग्रहरी,चंदन मद्देशिया, कुंवर पाल सिंह,उमेश चंद्र त्रिपाठी, श्याम सुंदर अग्रहरी, गुलाब चौरसिया, सतीश त्रिपाठी, जे पी गौड, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण अभियान शुरू, प्रभारी मंत्री ने लगाया पौधा, 5.27 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

संवाददाता–देवरिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत जनपद में 5 लाख 27 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य कार्यक्रम एसएसबीएल इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ, जहां राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) परिवहन विभाग दयाशंकर सिंह ने दोपहर तीन बजे अभियान की शुरुआत की। इस दौरान ष्एक पेड़ मां के नामष अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधरोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने जलवायु संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण करके ही पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। मंत्री ने सभी नागरिकों से ष्एक पेड़ मां के नामष लगाकर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने भारतीय संस्कृति में वृक्षों और नदियों को पूज्य मानने की परंपरा का भी उल्लेख किया, जो प्रकृति संरक्षण की भावना को दर्शाता

है। सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी और स्थायी उपाय वृक्षारोपण ही है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आग्रह किया। विधायक ने इस बात पर भी जोर दिया कि विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चलना वर्तमान समय की आवश्यकता है। प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी कासरला राजू ने अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक पौधरोपण को आवश्यक बताया। वहीं, जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद्र तिवारी ने पर्यावरण संरक्षण में जनसहभागिता को महत्वपूर्ण कुंजी बताया।

एसएसबीएल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अजय मणि त्रिपाठी ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स ने मार्च पास्ट कर अतिथियों को सलामी दी। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी, पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर, मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष काली प्रसाद, पूर्व जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, डॉ. जितेंद्र प्रताप राव, अंबिकेश पांडेय, अंकुर राय सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, एनसीसी कैडेट और नागरिक उपस्थित रहे।

डीएम ने तीन सीएचसी अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस

संवाददाता–बहराइच। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जननी सुरक्षा योजना, पल्स पोलियो अभियान, आयुष्मान भारत और राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों को भुगतान न किए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरवल, तेजवापुर और विशेश्वरगंज सहित अन्य केंद्रों के अधीक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि जनपद में पल्स पोलियो अभियान 28 जून, 2026 से शुरू होगा। इस अभियान के तहत शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को घर–घर जाकर पोलियो वैक्सीन पिलाई जाएगी। डीएम त्रिपाठी ने अभियान की सफलता के लिए तहसील और ब्लॉक स्तर पर अंतरविभागीय बैठकें समय से आयोजित करने तथा माइक्रो प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने 28 जून को बूथ कवरेज बढ़ाने हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा सघन पर्यवेक्षण करने पर जोर दिया। आयुष्मान भारत के अंतर्गत 15 मई से चलाए जा रहे अभियान की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने शेष लाभार्थियों को शत–प्रतिशत गोल्डन कार्ड उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक मरीजों की स्क्रीनिंग, एक्स–रे और स्पूटम जांच करने को कहा गया। साथ ही, लाभार्थियों के खाते में पोषण हेतु धनराशि समय से हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने स्पष्ट किया कि इस कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

'आप' का बिजली कटौती पर प्रदर्शन, राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग

संवाददाता–बहराइच। आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं ने बहराइच में भीषण बिजली कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की गई। आप के जिलाध्यक्ष मो. शोएब के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने बिजली नहीं तो वोट नहीं और अघोषित कटौती बंद करो जैसे नारे लगाए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पूरे जिले में 12 से 16 घंटे तक अघोषित बिजली कटौती हो रही है। इस कारण गर्मी और उमस में बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में बताया गया कि शहरी क्षेत्रों में रात भर बिजली गुल रहती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में दिन में केवल 6–8 घंटे ही आपूर्ति मिल रही है। धान की रोपाई का सीजन शुरू होने के बावजूद ट्यूबवेल न चलने से किसान परेशान हैं। छोटे दुकानदार, कारोबारी और छात्र भी इस कटौती से त्रस्त हैं। पेयजल संकट भी गहरा गया है, क्योंकि पानी की टंकियां नहीं भर पा रही हैं।

आप नेताओं ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर खराब होने पर हफ्तों तक नहीं बदले जाते, अधिकारी फोन नहीं उठाते और बिजली आपूर्ति के रोस्टर का पालन नहीं किया जाता। ज्ञापन में बहराइच को कटौती–मुक्त जिला घोषित कर 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की गई। इसके अतिरिक्त, जर्जर तारों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने, कटौती का पूर्व निर्धारित शेड्यूल जारी करने और कृषि फीडर पर दिन में 10 घंटे बिजली देने की मांग भी शामिल थी। लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की भी मांग की गई। सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन स्वीकार कर उसे राष्ट्रपति भवन भेजने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष शोएब ने चेतावनी दी कि यदि सात दिनों के भीतर स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। प्रदर्शन में जिला महासचिव अरशद खान और यूथ विंग अध्यक्ष फैजान अली सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

6.08 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य, विश्व पर्यावरण दिवस पर सांसद, डीएम ने अभियान की शुरुआत की

संवाददाता–कुशीनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जिलेभर में पौधरोपण और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कसया तहसील स्थित प्रसिद्ध कुलकुला माता मंदिर परिसर में वन विभाग ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने भी वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कुलकुला वन ब्लॉक में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में कुशीनगर सांसद विजय कुमार दुबे, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर और प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) वरुण सिंह ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई और अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने की अपील की। डीएफओ वरुण सिंह ने बताया कि कुलकुला वन ब्लॉक लगभग 74 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है, जहां खाली पड़ी भूमि पर वन विभाग द्वारा करीब 10 हजार पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2026 के लिए जनपद को कुल 6 लाख 8 हजार पौधरोपण का लक्ष्य मिला है। इस लक्ष्य के तहत, ग्राम विकास विभाग को 3.74 लाख, कृषि विभाग को 94 हजार, उद्यान विभाग को 62 हजार, वन विभाग को 50 हजार, पंचायती राज विभाग को 25 हजार और नगर विकास विभाग को 3 हजार पौधे लगाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सांसद विजय कुमार दुबे ने कहा कि पर्यावरण मानव जीवन का आधार है और प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ–साथ उनकी सुरक्षा और देखभाल करने का भी आग्रह किया। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी का विषय बताते हुए सभी से इस अभियान में सहयोग की अपील की। पडरौना में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की हनुमान शाखा के स्वयंसेवकों ने हनुमान विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के महत्व और बढ़ते प्रदूषण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। स्वयंसेवकों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस और विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाटा विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों पौधे लगाए।

नवाचारी गतिविधियों के साथ डायट में मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्रांगण में शुक्रवार को शविश्व पर्यावरण दिवसश के अवसर पर डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम षगुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं हरित पर्यावरणष के संकल्प के साथ आयोजित किया गया। संस्थान के स्टॉफ और प्रशिक्षुओं द्वारा औषधीय एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इसके साथ ही डायट प्राचार्य की अगुवाई में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती एक जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें सभी ने पर्यावरण बचाने के बैनर और स्लोगन हाथों में ले रखे थे। डायट के प्रशिक्षुओं और शइको क्लबश के सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित आकर्षक रंगोली और जल संरक्षण ('सेव वाटर, सेव लाइफ') से जुड़े सुंदर चार्ट व पोस्टर प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित सभी संकाय सदस्यों और प्रशिक्षुओं को पेड़ लगाने, जल बचाने, कचरा कम करने और प्लास्टिक का उपयोग न कर एक हरित जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि अपना डायट अनुशासन से ही हरियाली तक का लम्बा सफर तय किया है, कहा कि एक छोटा कदम, बड़ा बदलाव ला सकता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर, स्वच्छ और हरित पृथ्वी छोड़ना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर संस्थान में विभिन्न प्रकार की पर्यावरण अनुकूल और शैक्षिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। संस्थान का मुख्य लक्ष्य षप्रशिक्षित, सक्षम और संवेदनशील शिक्षकों के निर्माणष को आगे बढ़ाते हुए भावी शिक्षकों और संकाय सदस्यों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को जगाना है। प्रवक्ता डॉ. गोविंद के मार्गदर्शन में पर्यावरण संरक्षण और नवाचार पर आधारित एक कला व पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें डीएलएड प्रशिक्षुओं ने पर्यावरण संरक्षण, सकारात्मक ऊर्जा और आत्मनिर्भरता जैसे विषयों पर बेहद आकर्षक और रंगीन पोस्टर प्रदर्शित किए। समारोह के समापन पर एक विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने बदलते मौसम और पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए शिक्षा व्यवस्था में समावेशी प्रयासों पर जोर दिया। सभी उपस्थित संकाय सदस्यों और भावी शिक्षकों ने षजो हम चाहेंगे वह होगाष के दृढ़ संकल्प के साथ पर्यावरण को हरा–भरा रखने और समाज को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

प्राचार्य के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में प्रवक्ताध्नोडल अलीउद्दीन, अमन सेन, डॉ गोविन्द, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, डॉ ऋचा शुक्ला, कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, मो. इमरान खान, शशि दर्शन त्रिपाठी, सरिता चौधरी, कुलदीप चौधरी, वन्दना चौधरी, कनिष्ठ सहायक नवनीत वर्मा, रमाकांत, अनिल चौधरी एवं डी. एल.एड. प्रशिक्षु में ज्ञानेन्द्र पटेल, दीपांशु, ज्ञान प्रकाश गोंड, अरुण, चन्दन मिश्रा, अमरेन्द्र तिवारी, सौरभ, निशा, नित्या द्विवेदी, मनीषा उपाध्याय, शिवशंकर, मनीष दुबे, इंद्रभान, सिद्धांत, अम्बिका आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने योगदान दिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वृहद पौधरोपण: दिया पर्यावरण रक्षा का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को डारीडीहा स्थित एन एजुकेशन 24 लाइब्रेरी परिसर में नंदी गौ सेवा एवं वृक्षारोपण संस्थान के बैनर तले बृहद वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर पौधरोपण के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर संस्थान की संस्थापक निशा पाण्डेय ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ केवल पर्यावरण को शुद्ध ही नहीं करता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य की नींव भी रखता है। निशा पाण्डेय ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष धरती का श्रृंगार हैं और इनके बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। पर्यावरण संरक्षण को जन आंदोलन बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। साथ ही उपस्थित लोगों को पौधों का वितरण कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया गया। वृक्ष भंडारा के माध्यम से लोगों को पौधे उपलब्ध कराए गए तथा उनके संरक्षण का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरित बस्ती और स्वच्छ वातावरण के लिए निरंतर वृक्षारोपण अभियान चलाने का संकल्प लिया। आयोजकों ने बताया कि संस्थान द्वारा भविष्य में भी विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इस अवसर पर अवनीश पाण्डेय बंटी, अमित गोंड, अजीत, आदित्य, शुभ, अखिल, प्रिंस, सनी, ममता, महिमा, रितु, नितिन ,आशुतोष आदि पर्यावरण प्रेमी, छात्र–छात्राएं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिजली संकट को लेकर आम आदमी पार्टी ने राज्यपाल को भेजा 8 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार को आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा के नेतृत्व में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने भीषण बिजली संकट, अघोषित बिजली कटौती, महंगी बिजली दरों, स्मार्ट मीटर आदि के सवाल को लेकर मुख्य अभियन्ता वितरण कार्यालय पर प्रदर्शन के बाद ई. विजय कुमार गुप्ता के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित 8 सूत्रीय ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन सौंपने के बाद 'आप' जिलाध्यक्ष डा. राम सुभाष वर्मा ने कहा कि प्रदेश के अनेक जिलों में 22 से 48 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने की घटनाएं सामने आ रही हैं। पूरे प्रदेश में आम जनता, किसान, व्यापारी, छात्र और कर्मचारी बिजली संकट से त्रस्त हैं।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बस्ती जिला प्रभारी कुलदीप जायसवाल ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि जब जनता बिजली, पानी और बुनियादी सुविधाओं की मांग कर रही है तब सरकार के जिम्मेदार मंत्री समस्याओं का समाधान करने के बजाय गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी में व्यस्त दिखाई देते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जनता बिजली मांगेगी तो मंत्री बोलेंगे जय श्री राम, जनता की वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने का यह प्रयास अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। राज्यपाल को भेजे ज्ञापन में उत्तर प्रदेश में अघोषित बिजली कटौती पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने, भीषण गर्मी के दौरान सभी जिलों में निर्वाध एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, प्रदेश की बढ़ती मांग के अनुरूप बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने हेतु ठोस एवं समयबद्ध कार्ययोजना लागू करने, स्मार्ट मीटर और फर्जी बिलिंग से संबंधित सभी शिकायतों की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराये जाने, बिजली दरों में किसी भी प्रकार की वृद्धि पर तत्काल रोक लगाने, बिजली उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र स्थापित करने, निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने वाली नीतियों पर रोक लगाकर जनता को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराये जाने आदि की मांग शामिल है। ज्ञापन देने के दौरान आशीष जायसवाल, मिथलेश भारती, वीरेन्द्र कुमार, अब्दुल कयूम, भोला यादव, प्रेमचन्द्र चौधरी, रामरेखा प्रजापति, शेषपाल चौधरी के साथ ही आम आदमी पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– 6272/2025
धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय न्यायिक भानपुर जिला बस्ती

पंकज कुमार गौड़
बनाम
जोखन राम आदि

1– जोखनराम वालिग 2– रामलखन वालिग पुत्रगण छेदीराम साकिनान–बहबोल मुहल्ला–आजादनगर नगर पा० परि० बॉसी तहसील–बॉसी जनपद– सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादीगण प्रथमपक्ष

3– अजय कुमार पुत्र रामलखन साकिन–कस्बा बॉसी मुहल्ला–प्रतापनगर नगर पा० परि० बॉसी तप्पा– असनार परगना– बॉसीपूरब तहसील– बॉसी जनपद– सिद्धार्थनगर 4– श्रीमती सुशीला पत्नी रामशंकर साकिन–बहबोल मुहल्ला– आजादनगर नगर पा० परि० बॉसी तप्पा– कुदारन परगना– बॉसीपूरब तहसील–बॉसी, सि० नगर 5– श्रीमती ज्योत्सना त्रिपाठी पत्नी देवदत्त निवासी ग्राम चंगेरा मुहल्ला–आजादनगर नगर पा० परि० बॉसी तप्पा– कुदारन परगना– बॉसीपूरब तहसील– बॉसी जनपद– सिद्धार्थनगर 6– नगर पालिका परिषद बॉसी द्वारा अध्यक्ष / अधिशासी अधिकारी महोदय नगर पा० परि० बॉसी तहसील– बॉसी जनपद– सिद्धार्थनगर।

–प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष

7– श्रीमती तराबुन्निशा पत्नी शमीम खाँ साकिन बहबोल मुहल्ला– आजादनगर नगर पा० परि० बॉसी साकिन–भटौली तप्पा– कुदारन परगना–बॉसीपरव तहसील– बॉसी जनपद– सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–06–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 24 माह 06 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

जमीन पर जबरिया कब्जे की कोशिश: पीड़िता ने एसपी से लगाया न्याय की गुहार

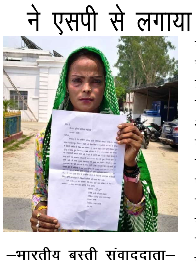

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परसरामपुर थाना क्षेत्र के दरूपुर निवासिनी मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पड़ोसियों द्वारा उसकी जमीन पर जबरिया कब्जा करने के प्रयास को रोकने और दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में मनीषा पत्नी चन्द्रिका प्रसाद ने कहा है कि घर के बगल मे खाली जमीन है जिस पर उसके पड़ोसी झुरई पुत्र घुरहू झिन्नन पुत्र घुरहू व गुड्डू पुत्र झिन्नन व उसके परिवार के अन्य लोग जबरदस्ती कब्जा करने की नियत से बकरी बांध देते है गोबर फेकते है मना करने पर आमादा फौजदारी होते है । मारपीट भी किया जिसमे थाने पर दोनो पक्षो के बीच सुलह समझौता भी हुआ था लेकिन विपक्षी उस सुलहनामा को नहीं मान रहे है तथा गाली गुप्ता देते हुए जान से मारने की धमकी देते है । जब वह इस घटना की सूचना देने थाने पर गयी तो थाने पर पुलिस कर्मियो द्वारा प्रार्थिनी के साथ दुर्व्यवहार किया गया मारा पीटा भी गया। ऐसी सूरत में सम्बंधित लोगो के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के साथ ही उसके जमीन और परिवार की रक्षा कराया जाय।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–23/2023

अशोक कुमार आदि
बनाम
रंगई आदि

10/1 हरीश पुत्र घिराऊ उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला–बस्ती

11/1 ओंकार उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र राममिलन 11/2 भुटुरा उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी राममिलन निवासीगण ग्राम आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 16–07–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 16 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
अपील सं0–
अदालत– श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामराज
बनाम
उदयराज आदि

1. धर्मेन्द्र पुत्र दयाराम 2. हीरालाल पुत्र रामउजागिर 3. शिवकुमार 4. सुशील कुमार पुत्रगण रामसूरत 5. अनीता पत्नी रंगीलाल 6. रामकेश 7. बाबूराम 8. रत्नेश 9. सामीन पुत्रगण हरीराम 10. गायत्री पत्नी घनश्याम 11. जयत्रीलाल 12. मुकेश पुत्रगण राधेश्याम 13. शशिकान्त 14. शशि प्रकाश पुत्रगण लालचंद 15. दामोदर पुत्र परमात्मा निवासीगण ग्राम गुलरहिया कोरमा तप्पा कोरऊ परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–06–2026

अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0
रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 29 महीना 05 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह 09 06 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

कॉकरोच जनता पार्टी हवा में है, हवा में रह जाएगी –ओमप्रकाश राजभर

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर शहर के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में पत्रकारों के सवालों पर प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी हवा में है, हवा में रह जाएगी। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीट की परीक्षा की स्वयं निगरानी करनी शुरू कर दी है तो देश की जनता को उनपर विश्वास करना चाहिए। गाजीपुर में हुए एनकाउंटर पर चल रहे विवाद पर कहा कि कौशांबी में पाल समाज की बेटी की रेप और हत्या, मऊ, बाराबंकी, देवरिया, मऊ में सपा नेता और यादव समाज के लोगों द्वारा की गई हत्याओं पर कुछ नहीं बोलते हैं। गाजियाबाद में सूर्या चौहान की हत्या पर नहीं बोल रहे हैं। जहां इनके वोटर घटना में शामिल हैं उनपर सवाल नहीं उठाते हैं। पुलिस किसी भी अपराधी को बख्श नहीं रही है चाहे वह किसी भी समाज का हो। पंचायत चुनाव पर कहा कि हम समय से चुनाव कराने के पक्ष में है। समाजवादी पार्टी के लोगों ने अपने लीगल एडवाइजर से हाईकोर्ट में मुकदमा दाखिल करा दिया। मुकदमा दाखिल होने के बाद अखिलेश यादव का पहला बयान आया कि पंचायत चुनाव नहीं होगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर जवाब दाखिल किया गया। पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर दिया गया है। आगे कोर्ट का जो आदेश आएगा उसका पालन करेंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को श्रवण धाम में पौधारोपण करने पहुंचे जिले के प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और उनकी पांच साल की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पांच साल अखिलेश यादव की सरकार रही थी। मुजफ्फरनगर दंगे में जल रहा था और अखिलेश सैफई में नाच देख रहे थे। सपा सरकार में एक हजार दंगे हुए। कर्फ्यू लगे और 1200 की जनहानि हुई। अखिलेश आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल पर सवाल उठा रहे हैं लेकिन पिछले नौ साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। कोई जनहानि नहीं हुई है। कहीं कर्फ्यू लगने की नौबत नहीं आई। उत्तर प्रदेश आज सबसे बड़ा एक्सप्रेस वे वाला प्रदेश बन गया है। कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। जिलों और गांवों के बीच आवागमन बेहतर हुआ है। पार्टी का चश्मा उतारकर अखिलेश जी देखेंगे तो उन्हें विकास दिखाई देगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से देश आगे बढ़ रहा है। श्रवण धाम का विकास निरंतर हो रहा है। भाजपा सरकार में यहां की तस्वीर बदल गई है। आगामी विधान सभा चुनाव पर कहा कि पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा सीटें एनडीए जीतकर सरकार बनाएगी। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कितनव कोई चिल्लाई, अंत मा योगी जी ही रहिहय। अंबेडकरनगर आगमन से ठीक पहले कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने एक्स पर पोस्टकर अखिलेश को खूब खरी–खोटी सुनाई है। उन्होंने स्व. मुलायम सिंह यादव के चार जून 2013 के बयान का जिक्र करते हुए कि अगर अखिलेश उस बयान को दोबारा पढ़ लेंगे तो हमारी सरकार की कानून व्यवस्था पर बोलने से पहले 10 बार सोचेंगे।

पट्टीदारों ने खेत में खाद डाल रही पत्नी और पति को मारा पीटा: एसपी से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। खेत में खाद डालने के दौरान लालगंज थाना क्षेत्र के पिपरपाती गांव में पट्टीदारों से मारपीट का मामला सामने आया है। लालगंज थाने से न्याय न मिलने पर पीड़िता प्रीती पत्नी अरविन्द ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और दबंगों से अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

शुक्रवार को एसपी को दिये पत्र में प्रीती पत्नी अरविन्द ने कहा है कि गत 4 जून को शाम 6 बजे वह अपने खेत में खाद डाल रही थी। तभी उसके पट्टीदार राधेश्याम पुत्र दूधनाथ यादव, विकास यादव पुत्र राधेश्याम, कृष्णा यादव पुत्र राधेश्याम आदि ने उसे गाली दिया । वे खाद डालने से मना कर रहे थे जब उसने खाद डालना बन्द नही किए तो उक्त लोगों ने लाठी, डण्डा से उसे बुरी तरह मारा, पीटा, शोर सुनकर हमारे पति दौड़कर आए और बचाने लगे तो विकास यादव व राधेश्याम यादव ने उसके पति अरविन्द को लोहे की राड से मारकर सर फोड़ दिए व नाक फट गया। वे लोग हम लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे । इसकी सूचना लालगंज थाने पर किया गया किन्तु पुलिस ने न तो डाक्टरी मुआयना कराया गया न मुकदमा दर्ज कर कोई कार्यवाही किया। पीड़िता ने दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई और दबंगों से अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

पिता ने अपने 2 मासूम बच्चों को जहर पिलाकर मार डाला

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के बरवार खुर्द गांव में दिल दहला देने वाली एक घटना सामने आई है। आरोप है कि एक पिता ने अपने दो मासूम बच्चों को जहरीला पदार्थ पिला दिया, इलाज के दौरान दोनों की मेडिकल कालेज में मौत हो गई। पुलिस ने बच्चों के दादा की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपित पिता को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, बरवार खुर्द गांव निवासी सत्यम कुमार ऑटो चलाता है। गुरुवार शाम करीब छह बजे सत्यम घर पहुंचा, उस समय पत्नी काम पर गई हुई थी। आरोप है कि इसी दौरान उसने अपने दो बच्चों प्राची (8 वर्ष) और अक्षत (साढ़े चार वर्ष) को जहरीला पदार्थ पिला दिया। इस दौरान उसने बड़ी बेटी प्रज्ञा (11 वर्ष) को भी जहर पिलाने का प्रयास किया, लेकिन वह भाग गई।

कुछ देर बाद दोनों बच्चों की हालत बिगड़ने लगी। परिवीजनों को जब जानकारी हुई तो वे लोग दोनों बच्चों को जिला अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत देखते हुए दोनों को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। शुक्रवार की सुबह इलाज के दौरान पहले अक्षत की मौत हुई, जबकि करीब आधे घंटे बाद प्राची ने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बच्चों के दादा अनिल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपित पिता सत्यम को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी है। एसपी नार्थ ज्ञानेन्द्र ने बताया कि बरवार गांव के अनील कन्नौजिया ने पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे ने अपने दो बच्चों को जहर दे दिया है। गीडा पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। दोनों बच्चों के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

6.23 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य, 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिद्धार्थनगर जनपद में शुक्रवार को व्यापक वृक्षारोपण महाअभियान चलाया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरित आवरण बढ़ाने के उद्देश्य से जिले में 6.23 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्य कार्यक्रम विकास खंड नौगढ़ की ग्राम पंचायत पलिया टेकधर में आयोजित हुआ, जहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और ग्रामीणों ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन., पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह तथा प्रभारी निदेशक सामाजिक वानिकी नीला एम मौजूद रहीं। अतिथियों का स्वागत बुके भेंट कर किया गया। सांसद जगदंबिका पाल ने विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान और केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में षएक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की आवश्यकता है और इसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। सांसद ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेशभर में एक साथ पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में सिद्धार्थनगर में 6.23 लाख पौधों का रोपण किया जा रहा है।

अपने संबोधन में सांसद ने बढ़ते तापमान, जलवायु परिवर्तन, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण और जल संरक्षण इन समस्याओं के प्रभावी समाधान हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ केवल ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि वर्षा जल संरक्षण और भूजल स्तर को बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. ने कहा कि जनपद में वृक्षारोपण को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यालयों में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं तथा किसानों को भी पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि उनकी भूमि पर हरियाली बढ़ाई जा सके। उन्होंने बताया कि मनरेगा योजना के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। जिलाधिकारी ने नागरिकों, विद्यार्थियों और अधिकारियों से 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे पेड़ बनने तक सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है।

कार्यक्रम के अंत में सांसद जगदंबिका पाल ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण का संकल्प दिलाया। इसके बाद सांसद, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, वन विभाग के अधिकारियों तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया।

ट्रेलर ने बाइक सवार दंपती को कुचला, मौके पर ही तोड़ा दम

संवाददाता–गोरखपुर। चौरीचौरा थाना क्षेत्र के भोपा बाजार चौराहे पर शुक्रवार सुबह हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दंपती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका आठ वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक और अफरा–तफरी का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, कुशीनगर जिले के तरकुलवा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुरैना गांव निवासी संत राज भारती (32) अपनी पत्नी शीला देवी (30) और पुत्र निगम राज (8) के साथ बाइक से अमडीहा स्थित अपने मौसा के घर आए थे। शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे तीनों तरकुलहा मंदिर दर्शन के लिए जा रहे थे। इसी दौरान भोपा बाजार चौराहे पर एक अज्ञात ट्रेलर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

हादसा इतना भीषण था कि संत राज भारती और शीला देवी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका पुत्र निगम राज गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक वेद प्रकाश शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, अज्ञात ट्रेलर और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com